भारत सरकार
संचार मंत्रालय
दूरसंचार विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2889
उत्तर देने की तारीख 10 जुलाई, 2019

गांवों में दूरसंचार सुविधाएं

2889. श्री मागुंटा श्रीनिवासुलू रेड्डी, श्री हनुमान बैनिवाल, डॉ. निशिकांत दुबे एवं श्री निहाल चन्दः

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश के विभिन्न राज्यों के जनजातीय क्षेत्रों सहित सभी गांवों को दूरसंचार सुविधाओं, विशेष रूप से मोबाइल टेलीफोन सुविधाओं से जोड़ा गया है और यदि हां, तो ऐसे गांवों और आदिवासी क्षेत्रों की संख्या का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;
(ख) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और इस संबंध में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;
(ग) गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान सरकार द्वारा तय और प्राप्त किये गए लक्ष्यों का ब्यौरा क्या है और सभी गांवों में दूरसंचार सेवाओं के विस्तार के लिए कार्ययोजना, यदि कोई हो, तो उसका राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है; और
(घ) इस संबंध में सरकार द्वारा आवंटित/खर्च की गई निधियों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संचार, विधि और न्याय, तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री रविशंकर प्रसाद)

(क) से (घ): वर्ष 2018 में दूरसंचार सेवा प्रदाताओं से एकत्र किए गए डाटा के अनुसार यह अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2011 में हुई जनगणना के अनुसार देश के 5,97,618 आबाद गांवों में से 5,54,530 गांवों में मोबाइल सेवाएं उपलब्ध थी और 43088 गांव मोबाइल सेवाओं से वंचित थी। वंचित गांवों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार सूची **अनुबंध-I** में दी गई है।

देश की लगभग सभी 2.5 लाख ग्राम पंचायतों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के लिए 'भारतनेट' को कार्यान्वित किया जा रहा है। आज की तारीख तक 3,37,515 कि.मी. लंबी ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछा दी गई है। इस प्रकार ऑप्टिकल फाइबर केबल द्वारा 1,28,870 ग्राम पंचायतों को जोड़ा जा रहा है। कुल 120,341 ग्राम पंचायतें सेवा के लिए तैयार है। भारतनेट परियोजना के अंतर्गत सेवा के लिए तैयार ग्राम पंचायतों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार स्थिति **अनुबंध-II** में दी गई है।

अन्य बातों के साथ-साथ सभी गांवों में मोबाइल सेवाओं के न होने का कारण गांव का दूरस्थ एवं कठिन इलाकों, बिखरी हुई आबादी और व्यावसायिक रूप से गैर-व्यवहार्य संचालन के साथ विविध क्षेत्रों में स्थित होना है। तथापि, मोबाइल सेवाओं से वंचित गांवों में चरणबद्ध रूप से मोबाइल सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही है। सरकार द्वारा दूरसंचार संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराने/सुगम बनाने के लिए निम्नलिखित परियोजनाएं कार्यान्वित की जा रही है:

i. वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्र चरण-II परियोजना के तहत सरकार ने मोबाइल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के लिए 3465 मोबाइल टावरों के संस्थापन की मंजूरी प्रदान किया है।

ii. सीमावर्ती क्षेत्रों, लद्दाख और करगिल के क्षेत्रों और अन्य प्राथमिकता वाले इलाकों के 361 गांवों में मोबाइल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना।

iii. वंचित गांवों में मोबाइल कवरेज उपलब्ध कराने और ट्रांसमिशन नेटवर्क को सुदृढ़ करने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र में मोबाइल कनेक्टिविटी के लिए एक व्यापक दूरसंचार विकास योजना।

iv. अण्डमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए चेन्नई और अण्डमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के बीच सबमरिन फाइबर केबल बिछाना।

v. अण्डमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के लिए 4जीबीपीएस तक सेटलाइट बैंडविड्थ की वृद्धि।

vi. अण्डमान निकोबार के कवर नहीं किए गए गांवों और राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच 223) के पास के गांवों को कवर करने के लिए मोबाइल कनेक्टिविटी।

vii. लक्षद्वीप द्वीप समूह के लिए 318 एमबीपीएस से 1.71 जीबीपीएस तक सेटलाइट बैंडविड्थ की वृद्धि।

भारतनेट परियोजना के लिए भारत ब्रॉडबैंड निगम लिमिटेड (बीबीएनएल) द्वारा संवितरित धनराशि का राज्य/संघ राज्य-क्षेत्रवार ब्यौरा **अनुबंध-III** में दिया गया है। गत तीन वर्षों के दौरान देश में मोबाइल सेवाओं को उपलब्ध कराने के लिए सार्वभौमिक सेवा दायित्व निधि (यूएसओएफ) से सरकार द्वारा उपयोग में लाई गई धनराशि और संस्थापित टावरों की संख्या का राज्य/संघ राज्य-क्षेत्रवार ब्यौरा **अनुबंध-IV** में दिया गया है।

अनुबन्ध-I

मोबाइल सेवाओं से संबंधित गांवों की राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र वार सूची

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र	वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार बसे हुए गांवों की संख्या	बसे हुए उन गांवों की संख्या जहां मोबाइल सेवाएं उपलब्ध हैं	बसे हुए उन गांवों की संख्या जो मोबाइल सेवाओं से वंचित हैं
1.	अंडमान और निकोबार	396	231	165
2.	आंध्र प्रदेश	16158	13413	2745
3.	अरुणाचल प्रदेश	5258	3043	2215
4.	असम	25372	24457	915
5.	बिहार	39073	38810	263
6.	चंडीगढ़	5	5	0
7.	छत्तीसगढ़	19567	16004	3563
8.	दादरा और नगर हवेली	65	65	0
9.	दमन और दीव	19	19	0
10.	दिल्ली के एन.सी.टी.	103	103	0
11.	गोवा	320	273	47
12.	गुजरात	17843	16581	1262
13.	हरियाणा	6642	6634	8
14.	हिमाचल प्रदेश	17882	17671	211
15.	जम्मू और कश्मीर	6337	6009	328
16.	झारखंड	29492	28270	1222
17.	कर्नाटक	27397	26528	869
18.	केरल	1017	1017	0
19.	लक्षद्वीप	6	5	1
20.	मध्य प्रदेश	51929	46371	5558
21.	महाराष्ट्र	40959	34842	6117
22.	मणिपुर	2515	1638	877
23.	मेघालय	6459	3768	2691
24.	मिजोरम	704	390	314
25.	नगालैंड	1400	1072	328
26.	ओडिशा	47677	37737	9940
27.	पंजाब	90	90	4
28.	पुडुचेरी	12168	12164	0
29.	राजस्थान	43264	41862	1402
30.	सिक्किम	425	412	13
31.	तमिलनाडु	15049	14966	83
32.	तेलंगाना	10128	9481	647
33.	त्रिपुरा	863	847	16
34.	उत्तराखंड	97813	97518	552
35.	उत्तर प्रदेश	15745	15193	295
36.	पश्चिम बंगाल	37478	37041	437
	कुल	**5,97,618**	**5,54,530**	**43,088**

अनुबन्ध-II

भारतनेट परियोजना के तहत ऑप्टिकल फाइबर के साथ जोड़े गए ग्राम पंचायतों की स्थिति

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र	ऑप्टिकल फाइबर से जोड़े गए ग्राम पंचायतों की संख्या	ऐसे गांवों की संख्या जहां ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जा चुकी है
1	अंडमान और निकोबार	23	0
2	आंध्र प्रदेश	1513	1492
3	अरुणाचल प्रदेश	565	146
4	असम	1622	1622
5	बिहार	6712	6159
6	चंडीगढ़	13	13
7	छत्तीसगढ़	4303	4088
8	दादरा और नगर हवेली	21	21
9	दमन और दीव	18	18
10	गुजरात	6405	5829
11	हरियाणा	6188	6188
12	हिमाचल प्रदेश	234	234
13	जम्मू और कश्मीर	368	881
14	झारखंड	2643	2407
15	कर्नाटक	6242	6158
16	केरल	1129	1129
17	लक्षद्वीप	0	0
18	मध्य प्रदेश	13360	12722
19	महाराष्ट्र	15665	15173
20	मणिपुर	374	323
21	मेघालय	352	192
22	मिजोरम	130	41
23	नगालैंड	644	119
24	ओडिशा	3915	3646
25	पुडुचेरी	98	101
26	पंजाब	9292	8318
27	राजस्थान	8712	8642
28	सिक्किम	41	17
29	तमिलनाडु	0	0
30	तेलंगाना	2047	2047
31	त्रिपुरा	817	543
32	उत्तर प्रदेश (पूर्व)	20108	18031
33	उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	11447	10354
34	उत्तराखंड	1541	1516
35	पश्चिम बंगाल	2328	2171
कुल		**128870**	**120341**

अनुबंध-III

भारत परियोजना के लिए बीबीएनएल द्वारा संवितरित धनराशि का राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र वार ब्यौरा*

क्र.सं.	राज्य	वर्ष 16-17	वर्ष 17-18	वर्ष 18-19
1	अंडमान और निकोबार	18464332	1600000	0
2	आंध्र प्रदेश	0	847980000	1812083295
3	अरुणाचल प्रदेश	176787283	139671853	5967951
4	असम	891768154	30088614	41069932
5	बिहार	1900995444	225376634	483712053
6	छतीसगढ़	2412033156	2368208766	2395577291
7	गुजरात, दादरा और नागरा हवेली, दमन और दीव	1297999723	2304089756	3110068187
8	हरियाणा	906575955	1346574610	94664743
9	हिमाचल प्रदेश	525127700	13045540	6356752
10	जम्मू और कश्मीर	423750351	36357422	137758733
11	झारखंड	813945657	481310822	1121262052
12	कर्नाटक	12490077	2246872986	238419660
13	केरल	259560814	0	0
14	लक्षद्वीप	0	0	0
15	मध्य प्रदेश	4519556872	1902222230	1536060473
16	महाराष्ट्र	5851859025	4235640248	3701109151
17	मणिपुर	185186215	146307480	31312662
18	मेघालय	247461226	195508225	20819377
19	मिजोरम	132129545	123487397	16933556
20	नगालैंड	203622896	160873490	137020415
21	ओडिशा	1158064960	468995146	778596908
22	पुडुचेरी	22342903	5316342	0
23	पंजाब	2362941194	0	526383240
24	राजस्थान	1624698933	1082712706	1224720159
25	सिक्किम	432268500	5780972	0
26	तमिलनाडु	0	1106410000	0
27	तेलंगाना	82389383	1122780000	74344690
28	त्रिपुरा	209153900	165243293	36899351
29	उत्तर प्रदेश (पूर्व)	4231734476	105114087	1268510803

30	उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	2121295001	672513579	1167988739
31	उत्तराखंड	1274448954	30802089	28550190
32	पश्चिम बंगाल	1416285784	910420748	114694430
	कुल	35714938415	22481305036	20110884793
* *जीपीओएन एवं ओएफसी		5554481492	2584191463	
	*** चरण- II के लिए बीएसएनएल को दी गई अग्रिम धनराशि		23020000000	8630000000
	कुल योग	41269419907	48085496499	28740884793

टिप्पणी: *चरण-I के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के तीन उपक्रमों नामत: बीएसएनएल, पीजीसीआईएल और रेलटेल को धनराशि का संवितरण किया गया है और भारतनेट परियोजना के चरण-II के कार्यान्वयन के लिए केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और राज्य सरकारों को धनराशि संवितरित की गई है। केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/राज्य-सरकारों द्वारा धनराशि का उपयोग करने संबंधी आंकड़ों का मिलान किया जा रहा है।

टिप्पणी:**विकेंद्रीकृत प्रापण के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के 3 उपक्रमों को भुगतान किया गया है। चूंकि भुगतान एकमुश्त आधार पर किया गया है इसलिए राज्य-वार डाटा उपलब्ध नहीं है। आंकड़ों का राज्य-वार मिलान किया जा रहा है।

टिप्पणी:***बीएसएनएल को 8 राज्यों नामत: असम, जम्मू और कश्मीर, मध्य प्रदेश, राजस्थान, सिक्किम, उत्तर प्रदेश (पूर्व), उत्तर प्रदेश (पश्चिम) एवं पश्चिम बंगाल के संबंध में कार्य दिया गया है। भुगतान एकमुश्त आधार पर किया गया है इसलिए राज्य-वार आंकड़ें उपलब्ध नहीं है।

अनुबंध-IV

गत तीन वर्षों के दौरान देश में मोबाइल सेवाओं को उपलब्ध कराने के लिए सार्वभौमिक सेवा दायित्व निधि (यूएसओएफ) से सरकार द्वारा उपयोग में लाई गई धनराशि और संस्थापित टावरों की संख्या का राज्य/संघ राज्य-क्षेत्रवार ब्यौरा:

क. एलडब्ल्यूई चरण-I परियोजना:

क्र.सं.	राज्य का नाम	गत तीन वर्षों में व्यय की गई धनराशि (करोड़ रूपए में)	राज्य में स्थित टावरों की कुल संख्या	गत तीन वर्षों में संस्थापित टावरों की संख्या
1	आंध्र प्रदेश	41.73	62	23
2	बिहार	146.75	250	66
3	छत्तीसगढ़	352.60	525	40
4	झारखंड	404.79	816	284
5	महाराष्ट्र	54.66	65	9
6	मध्य प्रदेश	18.35	22	0
7	ओडिशा	232.59	256	118
8	तेलंगाना	57.10	173	119
9	उत्तर प्रदेश	46.15	78	0
10	पश्चिम बंगाल	51.17	96	18

ख. पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए व्यापक दूरसंचार विकास योजना:

क्र.सं.	पूर्वोत्तर क्षेत्र	संस्थापित टावरों की संख्या (धनराशि निर्मुक्त की जानी है)
1	अरुणाचल प्रदेश	23
2	असम	190
3	मणिपुर	46
4	मिजोरम	34
5	नगालैंड	35
6	सिक्किम	1
7	त्रिपुरा	1

ग. लक्षद्वीप **के लिए व्यापक दूरसंचार विकास योजना:**

क्र. सं.	क्षेत्र	संस्थापित टावरों की संख्या (धनराशि निर्मुक्त की जानी है)
1	लक्षद्वीप	10

*****